पंजाब केसरी

Tue, 18 July, 2017

सरहद पर तैनात होगी 'धनुष-2' तोप

जैसलमेर, (विमल भाटिया): भारतीय सेना को जल्द ही एक और शक्तिशाली तोप 'धनुष-2' जल्द मिलने वाली है। जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में 'मेक इन इंडिया' निर्मित इस देशी बोफोर्स तोप का परीक्षण चल रहा है। सेना और डीआरडीओ के उच्चधिकारियों की देखरेख में चल रहे परीक्षण सफल रहे हैं। जल्द ही इसे सरहद पर तैनात किया जाएगा। यह तोप धनुष का ही उन्नत वर्जन होगी। सेना, आयुध निर्माणी बोर्ड और डायरेक्टर जनरल क्वालिटी इंश्योरेंस ने मिलकर इसका निर्माण किया है। यह मौजूदा तोप 'धनुष' से चार किमी. और अधिक दूरी तक मार करने की क्षमता रखेगी। वर्ष,2014 से बोफोर्स को और विकसित करके 'धनुष' तोप बनाई जा रही है। इसकी मारक क्षमता लगभग 38 किमी. है और इसके 'धनुष-2' वर्जन की मारक क्षमता 42 किमी. है।

परीक्षण के दौरान निशाना साधती तोप।

414 तोप की डिमांड

आयुध निर्माणी कानपुर को 414 तोप बनाने का आर्डर मिल चुका है। इसमें 114 तोप की आपूर्ति तत्काल की जानी है। अभी तक छह बैरल सेना को भेजी जा चुकी है, बाकी का उत्पादन तेजी से चल रहा है। धनुष नामक इस तोप पर काम यूं तो कई वर्षों से चल रहा था, लेकिन अब जो धनुष का नया संस्करण डीआरडीओ ने पेश किया है वह पहले से कहीं ज्यादा मारक है।

साधे जा रहे अचूक निशाने

पोकरण में चल रही ट्रायल में तोप से अचूक निशाने साधे जा रहे हैं। यह 52 कैलीबर की होगी, यह 45 कैलीबर वाली धनुष तोप से सात कैलीबर अधिक क्षमता वाली साबित होगी। इसे ऑटोमैटिक मोड में संचालित किया जा सकता है। रेट ऑफ फायर भी इसका जबरदस्त होगा। इसके बाकी के फीचर्स धनुष के ही होंगे,लेकिन सेना के लिए अचूक शस्त्र सिद्ध होगी।

90 फीसदी उपकरण भारत में निर्मित

धनुष और एडवांस धनुष देश की पहली ऐसी तोप है, जिसके 90 फीसदी उपकरण भारत में ही निर्मित हैं। सिर्फदस फीसदी कलपुर्जे बीईएल (भारत इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड) से लिए जाते हैं। इन हिस्सों को भी स्वदेश में तैयार करने का काम चल रहा है। गौरतलब हैं कि दुनिया की सबसे बेहतर तोपों में गिनी जाने वाली बोफोर्स तोप जो कि भारतीय सेना की आर्टिलरी बेड़े में शामिल है, धनुष तोप तकनीकी रूप से भी मौजूदा तोपों से कही बेहतर है। भारत को अपने आर्टिलरी बेड़े को मजबूत करने के लिए स्वीडन, अमेरिका, रूस या फिर किसी भी अन्य देश पर निर्भर होना नहीं पड़ेगा।